

ये अव्यक्त इशारे

अब अपने दाता स्वरूप को प्रत्यक्ष करो

30-09-2026

ब्राह्मण आत्माओं के पास ज्ञान तो पहले ही है लेकिन उनके प्रति दो प्रकार से दाता बनो :- १- जिस आत्मा को, जिस शक्ति की आवश्यकता हो, उस आत्मा को मन्सा द्वारा अर्थात् शुद्ध वृत्ति, वायब्रेशन द्वारा शक्तियों का दान अर्थात् सहयोग दो। २- कर्म द्वारा सदा स्वयं जीवन में गुण मूर्त बन, प्रत्यक्ष सैम्पल बन औरों को सहज गुण धारण करने का सहयोग दो, इसको कहा जाता है गुण दान। दान का अर्थ है सहयोग देना।

Now reveal your form of a bestower

Brahmin souls already have this knowledge; so you have to become bestowers for them in two ways. Firstly, whatever power souls need, use your mind, that is, your pure attitude and vibrations, to donate that power to them; that is, you have to co-operate with them. Secondly, in the activity of your life, constantly be an embodiment of virtues. Become a practical sample and give co-operate to others so that they can imbibe virtues easily. This is known as donating virtues. To donate means to co-operate.